भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1003

जिसका उत्तर मंगलवार 24 जुलाई, 2018 को दिया जाना है

कागज मिलों का निजीकरण

1003. कुमारी सुष्मिता देव:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की कछार पेपर मिल और नौगांव पेपर मिल के निजीकरण की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार हिंदुस्तान पेपर कॉरपोरेशन की कछार पेपर मिल और नौगांव पेपर मिल के लिए किसी पुनरुद्धार पैकेज पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार की उक्त मिलो के आधुनिकीकरण तथा प्रौद्योगिकीय उन्नयन की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री

(श्री बाबुल सुप्रियो)

(**क**)**:** जी नहीं।

(**ख**)**और (ग):** हिंदुस्तान पेपर कॉर्पोरेशन के पुनरुद्धार हेतु प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है।

*****